



उज्जैन में मस्जिद का हिस्सा तोड़ने पर बवाल पथराव के बाद पुलिस का लाठीचार्ज, महिला अधिकारी घायल, 5 गिरफ्तार

एजेंसी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में मस्जिद के एक हिस्से को तोड़ने की कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। कार्रवाई का विरोध कर रहे लोगों और प्रशासनिक टीम के बीच तनाव बढ़ने के बाद स्थिति बिगड़ गई। देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया, जिसके बाद पुलिस को हालात नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना में एक महिला अधिकारी के घायल होने की सूचना है। तनाव को देखते हुए इलाके में बाजार बंद करा दिए गए, जबकि एहतियात के तौर पर स्कूलों में भी छुट्टी घोषित की गई।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों से जुड़ा मामला
जानकारी के मुताबिक, उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों के तहत सड़क चौड़ीकरण का काम किया जा रहा है। इसी परियोजना के तहत मस्जिद के एक हिस्से को हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। इस कार्रवाई को लेकर मस्जिद प्रबंधन और स्थानीय लोगों की ओर से आपत्ति जताई गई थी। मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में भी याचिकाएं दाखिल की गई थीं। अदालत ने सड़क चौड़ीकरण के लिए मस्जिद के आंशिक हिस्से को हटाने की नगर निगम की कार्यवाई को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर दी थीं।



10 लोगों के खिलाफ एफआईआर, पांच गिरफ्तार
पुलिस ने घटना के सिलसिले में 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनमें पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी शामिल बताए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल प्रशासन की ओर से इलाके में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुख्खा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

क्या है मामला?
कंठाल चौराहा से गोपाल मंदिर तक मार्ग चौड़ीकरण के लिए शाही मस्जिद का करीब 10 फीट बाधक हिस्सा हटया जाना है। सोमवार सुबह प्रशासन और? मुस्लिम समाज के बीच बातचीत के बाद समाजजन खुद बाधक हिस्सा हटाने पहुंचे। हालांकि इस दौरान नारेबाजी हुई और कुछ समाजजन ने कार्रवाई का विरोध भी किया। उल्लेखनीय है कि उज्जैन मास्टर प्लान 2035 के तहत कंठाल चौराहा से गोपाल मंदिर तक 15 मीटर चौड़ा मार्ग प्रस्तावित है। शाही मस्जिद का कुछ हिस्सा इस सड़क की निर्धारित सीमा में बाधक बन रहा था। इसी हिस्से को हटाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। यह मार्ग महाकालेश्वर मंदिर, गोपाल मंदिर और शिप्रा तट को जोड़ता है।

विरोध के बीच पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज
सोमवार सुबह मस्जिद के प्रभावित हिस्से को हटाने की कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए। विरोध कर रहे लोगों में महिलाएं भी शामिल थीं। इसी दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव बढ़ गया। देखते ही देखते पथराव शुरू हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और बल प्रयोग किया। इसके बाद दोबारा पथराव की घटना सामने आने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया।

महिला अधिकारी घायल, इलाके में सुरक्षा बढ़ाई गई
पथराव और भीड़ को नियंत्रित करने की कार्रवाई के दौरान एक महिला थाना प्रभारी के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इलाके में भारी पुलिस बल के साथ रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की भी तैनाती की गई। तनाव को देखते हुए बैरिकेडिंग की गई और लोगों की आवाजाही पर नियंत्रण रखा गया। एहतियात के तौर पर बाजार बंद कराए गए और स्कूलों में छुट्टी घोषित किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन



● आगरा में घर पर कालिख पोती, लखनऊ में पुलिस से झड़प, काशी में चूड़ियां लेकर पहुंची महिलाएं

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ/आगरा/वाराणसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन उत्तर प्रदेश के कई शहरों में देखने को मिला। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आगरा, लखनऊ और वाराणसी समेत विभिन्न जिलों में प्रदर्शन किया। आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त के पैतृक आवास के बाहर कालिख पोती गई और दीवारों पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। वहीं, लखनऊ में प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई, जबकि वाराणसी में महिला कार्यकर्ता चूड़ियां लेकर विरोध जताने पहुंचीं। कांग्रेस का यह विरोध मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच सामने आया है। पार्टी लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है। वहीं, निर्वाचन आयोग की ओर से SIR से जुड़े आदेशों को सभी तीनों

लखनऊ में पुलिस से भिड़े कांग्रेस कार्यकर्ता

राजधानी लखनऊ में भी मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। विधानसभा और मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के इरादे से निकले कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। कई कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेजा गया। पार्टी नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अपना विरोध जारी रखने की बात कही।

काशी में चूड़ियां लेकर पहुंची महिला कार्यकर्ता

वाराणसी में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिला कार्यकर्ताओं ने चूड़ियां लेकर पहुंचकर विरोध जताया और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस का आरोप है कि SIR के जरिए मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।

आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त के घर पर पोती कालिख
आगरा की विजय नगर कॉलोनी स्थित मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पैतृक आवास के बाहर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी बैनर लेकर पहुंचे और चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने आवास के गेट और दीवारों पर कालिख पोत दी। दीवारों पर 'वोट चोर' और 'ज्ञानेश कुमार गद्दर हैं' जैसे नारे भी लिखे गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दीवारों पर लिखे नारों को हटाने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर घटना में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है।

चुनाव आयुक्तों की मंजूरी से जारी आयोग की भूमिका और मतदाता किए जाने की बात कही गई है। सूची के पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

बाजार में भारी बिकवाली, सेंसेक्स 1100 अंक लुढ़का, निफ्टी 23000 से फिसला

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1124.02 अंक यानी 1.52 फीसदी गिरकर 72,771.72 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 360.25 अंक यानी 1.56 फीसदी टूटकर 22,780.25 के स्तर पर आ गया।

बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। कई प्रमुख क्षेत्रीय सूचकांकों में तेज गिरावट आई। वित्तीय, धातु, रियल एस्टेट, निजी बैंक और ऊर्जा से संबंधित क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए। ऑटोमोबाइल, सार्वजनिक क्षेत्र के

बैंक और रसायन शेयरों में भी कमजोरी बनी रही। हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने कुछ हद तक लचीलापन दिखाया। मीडिया और फार्मा क्षेत्र भी अपेक्षाकृत स्थिर रहे, लेकिन उनमें भी गिरावट दर्ज हुई। कुल मिलाकर, बाजार की व्यापकता

नकारात्मक रही। बाजार में इस बड़ी गिरावट के पीछे छह मुख्य कारण बताए गए हैं। ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष का बढ़ना एक प्रमुख वजह रही। इसके चलते कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। बॉन्ड प्रतिफल में भी वृद्धि दर्ज की

यूपीआई पेमेंट पर वार्ज के मामले में सुप्रीम कोर्ट का एक्शन केंद्र सरकार और आरबीआई समेत कई पक्षों को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपीआई पेमेंट पर मॉडेंट डिस्काउंट रेट (MDR) यानी लेनदेन पर शुल्क लगाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI), नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) समेत संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। इस मामले में अदालत ने अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया है। यूपीआई के जरिए डिजिटल भुगतान करने वाले ग्राहकों और कारोबारियों के लिए यह मामला अहम माना जा रहा है। याचिका में डिजिटल पेमेंट से जुड़े शुल्क और मौजूदा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत 2,000 रुपये से अधिक के चुनिंदा व्यापारी यूपीआई



भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होना प्रस्तावित है। अधिकांश छोटे व्यापारियों के हालांकि, आम लोगों के बीच पैसे

भेजने वाले PwP लेनदेन और भुगतान शुल्क-मुक्त रहेंगे।

फिलहाल रोक लगाने से इनकार
सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इस व्यवस्था पर अंतरिम रोक नहीं लगाई है। मामले में आगे की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार, आरबीआई और NPCI समेत संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आएगा।

आम ग्राहकों के लिए क्या मायने हैं?
यूपीआई से व्यक्तिगत भुगतान और छोटे व्यापारियों के सामान्य लेनदेन पर शुल्क लगने की कोई सार्वभौमिक घोषणा इस खबर से नहीं होती। शुल्क का दायरा प्रस्तावित व्यवस्था और संबंधित भुगतान श्रेणियों पर निर्भर करेगा।

लखनऊ में एसआईआर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन पुलिस से धक्का-मुक्की, बैरिकेडिंग पर चढ़े कार्यकर्ता, हिरासत में लिए गए

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए नारेबाजी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। कांग्रेस कार्यकर्ता SIR के विरोध में एकजुट होकर प्रदर्शन करने पहुंचे थे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देने की मांग की। प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे,



लेकिन मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और उसे पार करने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया

कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल हैं। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर आपत्ति जताते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि मतदाता सूची से किसी भी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से नहीं

जाहिर की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहा है। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस समेत विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया में मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं, चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण को निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के तहत संचालित किया जा रहा है। लखनऊ में कांग्रेस का यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है, जब प्रदेश के विभिन्न शहरों में चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्षी दलों की ओर से विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

हटाय़ा जाना चाहिए। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता और मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई।



जाहिर की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर रहा है। उन्होंने

एसआईआर को लेकर बढ़ा राजनीतिक विवाद
मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर उत्तर प्रदेश में राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। समाजवादी पार्टी लगातार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रही है, जबकि चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण को निर्धारित नियमों के तहत की जाने वाली प्रक्रिया बताया गया है। लखनऊ में सपा कार्यकर्ताओं का यह प्रदर्शन ऐसे समय में हुआ है, जब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्षी दलों की ओर से विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

35 करोड़ वोट चोरी कर भाजपा की सरकार बनाने का आरोप

प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि देश में 35 करोड़ वोटों की चोरी करके भाजपा की सरकार बनाई गई है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। सपा कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग से मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कथित वोट चोरी के आरोपों की जांच कराने की मांग की।

(एसआईआ) की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए।

अपना घर, अपनी पहचान

अपना सपना, अब आपके अपने प्लॉट पर!

कीमत शुरू मात्र **₹1799/-** प्रति वर्ग फुट (कुल)

✓ जिला पंचायत लखनऊ द्वारा स्वीकृत

✓ गेटेड कम्युनिटी

✓ चौड़ी सड़कें

✓ बिजली एवं पानी की सुविधा

✓ हरियाली से भरपूर वातावरण

Apna Ghar, Apni Pehchan

LAXMI VIHAR Ke Saath!

Zila Panchayat Lucknow Approved

ज़मीन खरीदना खर्च नहीं, भविष्य को सुरक्षित करने का सबसे अच्छा तरीका है।

आज निवेश करें, कल सुरक्षित भविष्य बनाएं!

9580456295

सुरक्षित आकाश भविष्य

परिवार के लिए सर्वोत्तम

उत्कृष्ट निवेश का अवसर

कानूनी रूप से पारदर्शी

Laxmi Vihar,

गोसाईगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

मुम्बई। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैम इन टावर' को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बीच अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अभिनय के तकनीकी पहलुओं को बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में अभिनय की तकनीकी बारिफायरी सीखने में उनके सीनियर्स ने उनकी काफी मदद की थी। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिव्या दत्ता ने अपने को-एक्टर मनोज बाजपेयी और निर्देशक वेन रेखी के साथ मुंबई में बातचीत की। दिव्या दत्ता ने कहा कि सबसे पहले, जहां तक भेरे लिए तकनीकी पहलुओं की बात है, अगर मुझे अपनी बुनियादी चीजें पता हैं, मैं अपना डायलॉग्स ठीक से बोले रही हूँ और वह स्क्रीन पर सही तरीके से नजर आ रहा है, तो भेरे लिए इतना काफी है। एक समय ऐसा भी था, जब मुझे इन चीजों की जानकारी नहीं थी। मैं अपना समग्रश्रेष्ठ कर रही थी, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही थी। उस समय भेरे सीनियर्स ने मेरा हाथ थामा और मुझसे कहा, 'सुनो, तुम अच्छा कर रही हो, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रहे हैं। इस मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ। उन्होंने आगे कहा, समय के साथ आप ये चीजें सीखते हैं। ये वह भी कहते हैं कि पहले अपनी लाइनें अच्छे से तैयार कर लो, तकनीकी चीजों को समझ लो और उसके बाद बस उस पल में पूरी तरह शामिल हो जाओ। उस पल का जादू अपने आप होने दो। अगर मैं अपने को-एक्टर की आंखों में देख रही हूँ, तो शायद हर टेक अलग होगा। हर टेक में जब मैं उनकी आंखों में देखूंगी तो उससे एक अलग भावना पैदा हो सकती है। दिव्या ने आगे कहा, वह भावना कभी ऊपर जा सकती है और कभी नीचे। कई बार यह आपको हारिन भी कर देती है। इसलिए आपको उसे स्वाभाविक रूप से होने देना चाहिए। अगर आप बहुत ज्यादा बंध जाते हैं और सोचते हैं कि 'नहीं, नहीं, यही सीमा है और मुझे इसी नोट पर परफॉर्म करना है', तो आपको अभिनय बहुत सीमित हो जाता है। आपको बस अपने अभिनय को स्वाभाविक रूप से बहने देना चाहिए। इस बीच, 'लास्ट मैम इन टावर' अरविंद अडिगा के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक रिटायर्ड स्कूल टीचर और विष्णु की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुरानी अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहते हैं। जब एक अमीर डेवलपर वहां के निवासियों को इमारत बेचने के लक्ष्य बड़ी रकम की पेशकश करता है, ताकि उसकी जगह एक लक्जरी बाउल बनाया जा सके, तो ज्यादातर लोग पैसे के लालच में इस प्रस्ताव के लिए तैयार हो जाते हैं।